पानी पंचायत रखेगी पानी का हिसाब

- 103 गाँव में होगा गठन
- पाइप पेयजल योजनाओं के संचालन व अनुरक्षण पर हुई कार्यशाला
- जल संरक्षण पर भी हुआ चिन्तन

झाँसी : कार्यशाला का शुभारम्भ करते सीडीओ। ▸▸ जागर

झाँसी : गाँव की सीमा लाँघकर बहने वाले बरसात के पानी को रोकने से लेकर लोगों को पानी बचाने के लिए जागरूक करने का काम अब 'पानी पंचायत' द्वारा किया जाएगा। यही नहीं, उपलब्ध पानी के खर्च का हिसाब भी पानी पंचायत द्वारा रखा जाएगा। फिलहाल जनपद में 103 गाँवों में 'पानी पंचायत' के गठन का निर्णय लिया गया है, जिसका दायरा बढ़ाया जाएगा।

पाइप पेयजल योजनाओं को उपयोगी बनाने के लिए विकास भवन सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जल संरक्षण पर चिन्तन किया गया, तो परियोजनाओं का संचालन सुचारू रखने के लिए बिल का नियमित भुगतान करने को समझाया गया। मुख्य विकास अधिकारी निखिल फुण्डे ने कहा कि बुन्देलखण्ड में पानी की समस्या है। इससे निपटने के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे। 'पानी पंचायत' इसमें अहम भूमिका निभाएगी। पंचायत द्वारा गाँव में उपलब्ध जल का बजट बनाने के साथ ही पानी के उपयोग व फ़सल का चयन भी करेगी, ताकि पानी को बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि व्यवहार में परिवर्तन से ही जल दोहन को रोका जा सकता है। पाइप पेयजल योजनाओं के संचालन में आ रही बाधाओं पर चर्चा करते हुए कहा कि लोगों द्वारा बिल जमा न करने से परियोजनाओं का अनुरक्षण नहीं हो पाता है और धीरे-धीरे परियोजनाएं बन्द हो जाती हैं। सरकार द्वारा योजना का निर्माण कराने के लिए अनुदान दिया जाता है, लेकिन संचालन ग्राम पंचायत को ही कराना होता है। यह तभी सम्भव है, जब सभी उपभोक्ता बिल जमा करें। हैण्डपम्प जल समस्या का निदान नहीं है, क्योंकि कहीं भूगर्भ जल मिलता है, तो कहीं नहीं मिलता। इज़राइल देश का उदाहरण देते हुए सीडीओ ने बताया कि मजबूत इच्छाशक्ति से इस देश ने कृषि क्षेत्र में जो मुकाम हासिल कि है, उसका हमें भी अनुसरण क होगा। पर्यावरण एवं जल गुण सलाहकार रितेश पाण्डेय परियोजना के संचालन व अनुरक्ष में जनसहभागिता सुनिश्चित करने बारे में विस्तार से जानकारी प्लमर व पम्प ऑपरेटर को प्रशिक्षि करने की वकालत करते हुए ज शुद्धता की जानकारी के लिए टोल नम्बर 1800-102-5030 के बारे बताया। ग्राम प्रधानों व ग्राम विक अधिकारियों ने परियोजना संचालन आ रही बाधाओं व समस्याओं के ब में बताया। इस अवसर पर परियोज निदेशक डीआरडीए डॉ. आर गौतम, उपायुक्त डॉ. एनएन मि ग्राम प्रधान नीता, दीपेन्द्र सिंह, देवे कुमार के अलावा जल संस्थान, ज निगम व विद्युत विभाग के अधिक उपस्थित रहे।